

म्यूचुअल फंड : आर्थिक लक्ष्य पाने का साधन



हर्षेन्दु बिंदल, प्रेसिडेंट, फ्रैंकलिन टेम्पल्टन इन्वेस्टमेंट्स इंडिया

म्यूचुअल फंड हर कोई ले सकता है। दुनिया भर में लाखों लोग म्यूचुअल फंड्स में निवेश कर रहे हैं, क्योंकि इनसे भविष्य के लिए सुविधाजनक ढंग से योजना बनाने और मेहनत से कमाये धन को बढ़ाने में आसानी और सुविधा होती है। म्यूचुअल फंड क्या होते हैं और यह आपके आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने में ये किस तरह मददगार हो सकते हैं। इसके साथ पहले निवेश संबंधी कुछ बुनियादी बातें भी जानना जरूरी है।

निवेश और आप : निवेश करना कभी

सहज नहीं होता। तथापि, कुछ बुनियादी सिद्धांतों की अच्छी समझ से निवेश संबंधी निर्णय प्रक्रिया काफी आसान हो जाती है और तब इसका अनुभव और भी आनंददायक हो जाता है।

निवेश के लक्ष्यों को तय करें : पहले चरण में अपनी आर्थिक जरूरतों और लक्ष्यों को स्पष्ट रूप से समझ लें। खुद से पूछें- मुझे पैसे की जरूरत कब और किस काम के लिए है? अपने आर्थिक लक्ष्य और उनका समय (बेटी की उच्चतर शिक्षा 6 वर्ष बाद, घर खरीदना 10 वर्ष बाद), और उसके लिए आवश्यक पूंजी की सूची बना लें। इसके उत्तर से आपको निवेश की समय सीमा - अल्प अवधि, औसत अवधि या दीर्घ अवधि तय करने में आसानी होगी। अपने निवेशों का अपने लक्ष्यों की समय सीमा से मिलान करें। दीर्घकालीन लक्ष्यों, जैसे कि रिटायरमेंट या बच्चों की शिक्षा के लिए इक्विटी फंड में निवेश करें जो भले ही अल्प अवधि में अस्थिर हों, लेकिन इससे आपकी इच्छित वृद्धि मिल जाएगी।

योजना में बने रहने के साथ उसकी समीक्षा जरूर करें

निवेश का फैसला करने के पहले यह आपके वर्तमान धन आवंटन योजना को किस प्रकार प्रभावित करता है, इसका मूल्यांकन कर लें। समय बीतने के साथ जीवन की परिस्थितियां बदल जाती हैं और आपकी जरूरतें एवं आमदनी भी। आपको समय-समय पर अपने निवेश की निगरानी और समीक्षा करनी चाहिए। इस मामले में आपको खुद से निम्नलिखित प्रश्न पूछने चाहिए। जैसे- क्या मेरे निवेश का लक्ष्य बदल गया?, क्या मेरी जोखिम वहन क्षमता बदली है?, समकक्ष कंपनियों की तुलना में निवेश का प्रदर्शन कैसा है?, क्या मुझे अपना फैसला बदलने की जरूरत है?

जोखिम सहने की क्षमता समझें : निवेश का फैसला करने के पहले जोखिम के प्रति अपनी भावनाओं को जानना जरूरी है। क्या आप अपने निवेश के मूल्य में उतार-चढ़ाव



सलाह

झेल पाएंगे? या आप उतार-चढ़ाव के बिना कम लाभ लेना पसंद करेंगे? तब आपके लिए इक्विटी में पैसा लगाने और अल्पावधि अस्थिरता के कारण रातों की नींद खराब करने का कोई मतलब नहीं। लेकिन इसके साथ ही, आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आपके निवेश

से इतना लाभ तो अवश्य मिले जो आपके दीर्घकालीन लक्ष्यों के लिए पर्याप्त हो।

अनुशासित निवेश में फायदा : निवेशकों के लिए नियमित क्रम में निवेश करना

इक्विटी बाजार में भागीदारी का आसान और असरदार तरीका होता है, क्योंकि इनमें स्वभावतः निवेश पर अस्थिरता का असर कम होता है और नियमित जमा की जरूरी आदत भी बनती है। निवेश को पहले कुछ कसौटियों पर कसना चाहिए।